

Clarisse Bader, членъ отъ Азиятско то дружество въ Парисъ, говоряша за Самскрътскѫ тѣ книжнинѣ въ Англии, въ Германии и въ Франци, до какъвъ стаженъ е дошла, казва въ свое то си съчинение. — La femme dans l'Inde antique — N'est ce pas un moment favorable pour appeler l'attention sur un littérature éminemment moralisatrice ? La Grèce et Rome, seules sourses reconnues jusqu' à présent de la perfection classique, sont taries. —

— Не е ли сега една счастлива минута да призовемъ внимание то камъ една книжевность величественно наравоучитълна ? Гърция и Римъ, сами признати до сега за источници класическаго съвършенства, присъхнаха. —

Това е мнѣние то и стремление то на учены тѣ за бѫдущтѣ тѣ книжевность въ Европѣ, т. е. да дадутъ на истины тѣ начяла Повѣстности човѣчества, а нѣ да ся водятъ вѣкы слѣпо отъ записаны тѣ въ Гърци тѣ, Еврѣйски тѣ и Латински тѣ книги.

Ето што говори и Лукьянъ, гърци спицатель, (жившій около 180 г. послѣ Христа) връху начало то на мѣдрословие то т. е. на наукѣ тѣ, въ свое то си съчинение — Δραπέται-Отстѣпници, — дѣ олицетворява въ женски родъ мѣдрословие то [Философия та] и представя го говоряшто съ Зевса, кату дъщеря съ башта си :

Φιλοσοφία. Ήξει μὲν, ὃ πάτερ, οὐκ ἐπὶ τοὺς "Ελληνας· εὐθὺς, ἀλλ' ὅπερ ἔδόκει μοι χαλεπώτερον τοῦ ἔργου εἶναι, τὸ βαρβάρους παιδεύειν, καὶ διδάσκειν, τοῦτο πρῶτον ἡξίουν ἐργάσασθαι· τὸ Ἐλληνικὸν δὲ εἴων ὡς φράστον διποβαλέσθαι, καὶ τάχιστα, ὃς γε φύμην, ἐνδεξάμενον τὸν χαλινὸν οἶνον τε, καὶ διποταχθησόμενον τῷ ζυγῷ, δρυήσασα δὲ εἰς Ἰνδοὺς τὸ πρῶτον, ἔθνος μέγιστον τῶν ἐν τῷ βίῳ, οὐ γελεπῶς ἐπεισα καταβάντας ἀπὸ τῶν ἐλεφάντων ἐμοὶ συνεῖναι· ὥστε καὶ γένος ὅλβιον οἱ Βραχμᾶνες τοῖς Νεχραίοις καὶ Ὀξυδράκαις δροροι, οὗτοι πάντες δπ' ἐμοὶ τάττονται, καὶ βιοῦσί γε κατὰ τὰ ἡμῖν δοκοῦντα, τιμώμενοι πρὸς τῶν περιοίκων ἀπάντων, καὶ ἀποδυνήσκουσι παράδοξον τινα τοῦ θανάτου τρόπον. . . .

Μετὰ γοῦν τοὺς Βραχμᾶνας, εἰς Ἀθιοπίαν εὐθὺς, εἶτα εἰς Αἴγυπτον κατέβην, καὶ ξυγγενομένη τοῖς ἑρεῦσι καὶ προφήταις αὐτῶν, καὶ τὰ θεῖα παιδεύσασα, ἐς Βαβυλῶνα ἀπῆρα, Χαλδαίους τε καὶ μάγους μυήσουσα, εἶτα ἐς Σκυθίαν ἐκεῖθεν, εἶτα ἐς Θρᾳκην, ἔνθα μοι Εὔμολπος τε καὶ Ὄρφεύς συνεγενέσθην, οὓς καὶ προαποστελασσα ἐς τὴν Ἑλλάδα, τὸν μὲν ὡς τελέσειν αὐτοὺς, τὸν Εὔμολπον, (ἐμεμάθηκε γαρ τὰ θεῖα παρ' ἡμῶν ἀπαντα), τὸν δὲ ὡς ἐπάδων προσβιβάζοι τῇ μουσικῇ, κατὰ πύδας εὐθὺς εἶπόμην. —

Т. е. чи мѣдрословие то, наука та, най-напрѣдъ въ Хиндистанъ ся извѣла въ Брахманы тѣ, а послѣ въ Етиопи, послѣ въ Египетъ и въ Бабилонъ въ Халдѣи тѣ, отъ тамо въ Скити, послѣ въ Траки, отъ дѣ Евмолпъ отишаль въ Еладж и ги научиль вѣроїсповѣданіе, а Орфевъ ги научиль музикѣ [грая], и тѣ започнѣла наука та въ старѣ тѣ Еладж, отъ